ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः अप्रैल 2018, मुद्रणः 26 अप्रैल 2018

डीपीए की पिछले दो वर्षों की कार्यकारिणी समिति

वर्ष 2017–18 के लिए दिल्ली प्रिंटर्स ऐसासिएशन के अध्यक्ष श्री राजीव गुप्ता के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी समिति का ग्रुप फोटो। इस कार्यकारिणी द्वारा 2017–18 में कई महत्वपूर्ण आयोजन और गतिविधियों को सम्पन्न किया गया।

वर्ष 2016–17 के लिए दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष (2016–17) श्री सुनील जैन के नेतृत्व वाली कार्यकारिणी समिति का ग्रुप फोटो। इस कार्यकारिणी ने अपने कार्यकाल में कई अभूतपूर्व एवं अविस्मरणीय कार्य किये।

First choice of Printing Machine Manufacturers

Up to 60% cost reduction with
Busch Merlin Dry Rotary Claw Vacuum Pump

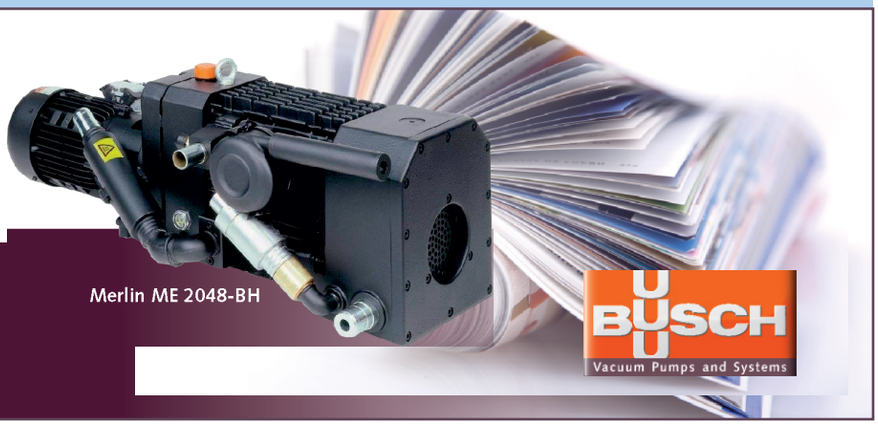

Merlin ME 2048-BH

BUSCH
Vacuum Pumps and Systems

Busch Vacuum India Pvt Ltd.
Plot No.: 102-103, I Sector 5 I IMT Manesar I Gurgaon (Haryana) 122 050 I India
Phone: +91-9711991473 I sales@buschindia.com
www.buschindia.com

ESTD : 1954

President
Mr. Rajiv Gupta
98117-01764,
98117-01799

Imm. Past President
Mr. Sunil Jain
9810280120

Vice-Presidents
Mr. Ashok Kumar Nandra
92500-55555
Mr. Kewal Krishan Singhal
98111-15945
Mr. Prakash Dass
98187-24948

Hon. General Secretary
Mr. Rajesh Sardana
98100-31996

Joint-secretaries
Mr. Atul Goel
98100-03943
Mr. Puneet Talwar
98110-81291

Treasurer
Mr. Mahinder Budhiraja
93122-41788

Executive Members
Mr. Ajay Sharma
Mr. Ashok Aggarwal
Mr. D. K. Vohra
Mr. Deepak Bhatia
Mr. M. N. Pandey
Mr. Meghraj Bhati
Mr. Mohd Mustaqeem
Mr. P. N. Kapur
Mr. Prashant Aggarwal
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mr. Rajesh Gupta
Mr. Sandeep Aggarwal
Mr. Sanjay Jain
Mr. Sanjay Sharma
Mr. Shiv Mittal
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mr. Sunil Jain
Mr. Vijay Goel
Mr. Vijay Jain
Mr. Vivek Jain

Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com
Website : www.delhiprinter.org

प्रिंटिंग का काम किया करते थे, फ्रैंकलिन

रॉकिंग चेयर का आविष्कार किया था। वीणा, वॉयलिन और गिटार बजाने के शौकीन थे।

'जीवन में बार–बार असफल होने से परेशान होने की बजाय आप ये सोच सकते हैं कि आप असफल नहीं हुए हैं, बल्कि आपको सौ गलत तरीकों के बारे में पता चला है।' ये बेंजामिन फ्रैंकलिन का विचार है। जिस तरह भारत के नोट पर गांधीजी की तस्वीर है, उसी तरह अमेरिका के डॉलर्स में हमें बेंजामिन फ्रैंकलिन की तस्वीर दिखाई देती है। बेंजामिन फ्रैंकलिन युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के राष्ट्र निर्माताओं में से एक थे। वे अमेरिका के महान वैज्ञानिक और आविष्कारक होने के अलावा महान लेखक और राजनीतिज्ञ भी थे। बेंजामिन का जन्म बॉस्टन, मैसाचुसेट्स के मिल्क स्ट्रीट पर 17 जनवरी 1706 को हुआ था। पिता जोशिया फ्रैंकलिन की मोमबत्ती और साबुन बनाने की दुकान थी। मां ऑबिया फोल्कर थीं। बेंजामिन के पिता ने दो शादियां की थीं इसलिए उनके 17 बच्चे थे, जिनमें से बेंजामिन 15वें थे। पिता की इच्छा तो थी कि उनका बेटा स्कूल जाए लेकिन उनके पास इतना पैसा नहीं था कि वे बेंजामिन को दो साल से ज्यादा पढ़ा सकें। ऐसे हालात में उनका स्कूल जाना 10 साल की उम्र में ही बंद हो गया और वे घर पर ही पढ़ने लगे। स्कूल छूट जाने के बाद बेंजामिन ने कुछ समय अपने पिता के काम में हाथ बंटाया और फिर अपने भाई जेम्स के साथ प्रिंटिंग के काम में जुड़ गए। वे जब 17 साल के हुए तो एक नए शहर फिलेडेलफिया पहुंच गए, जहां शुरुआती दिनों में उन्होंने कई दुकानों पर प्रिंटिंग का काम किया। 21 साल की उम्र में उन्होंने 'करंट इशूज' पर चर्चा करने वाले एक ग्रुप 'जुंटो' का निर्माण किया। इस ग्रुप की खासियत ये थी कि इसके मेंमर्स को किताबें पढ़ने का बहुत शौक था लेकिन उस समय किताबें आसानी से नहीं मिलती थीं और महंगी हुआ करती थीं। इसी मुश्किल को हल करने के लिए बेंजामिन फ्रैंकलिन ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक लाइब्रेरी बनाई। इस लाइब्रेरी कंपनी ऑफ फिलेडेलफिया में आज पांच लाख दुर्लभ किताबें, पर्चे हैं। 1,60,000 से भी ज्यादा पांडुलिपियां और 70,000 ग्राफिक आइटम्स मौजूद हैं। अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी न कर पाने वाले बेंजामिन ने जीवन में कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अंग्रेजी के अलावा फ्रेंच, इटैलियन, लैटिन और स्पैनिश भाषाओं में खुद को पारंगत किया। उनमें छिपे वैज्ञानिक को जब ये पता चला कि बिजली गिरने से बहुत सी ऊंची इमारतें गिर रही हैं और इस वजह से काफी नुकसान हो रहा है तो उन्होंने लाइटिंग कंडक्टर का आविष्कार कर डाला। ये ऊंची इमारतों को बादलों की गरज से बचाने का एक साधन था। इलेक्ट्रिक क्षेत्र में उन्हें काफी रुचि थी जिसके चलते अपने प्रयोग के दौरान दो

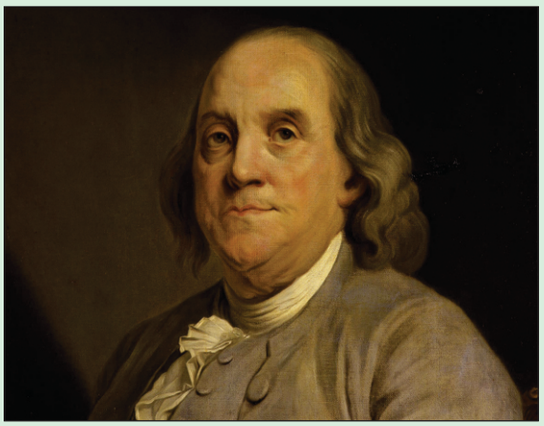

बार करंट लगने से उनकी जान जाते हुए बची थी। बेंजामिन ही वो पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने अंध महासागर की गल्फ स्ट्रीम की गति, तापमान और गहराई को मापने में बहुत सारा समय लगाया। नौसेना के अधिकारियों और वैज्ञानिकों को ये बताया कि इतनी उथल–पुथल वाले महासागर को भी मल्लाह लोग तेल डालकर शांत कर सकते हैं। फ्रैंकलिन ने ऐसा स्टोव भी बनाया जो कि कमरों को गर्म कर देता था। आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है और इसका एक नमूना बेंजामिन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उन्हें दूर और पास की चीजों को देखने के लिए दो चश्मों का इस्तेमाल करना पड़ता था। लेकिन जब बार–बार दो चश्मों का इस्तेमाल करने से वो तंग आ गए तो उन्होंने बाइफोकल आइलेंस बना दिए जिनसे दूर और पास की चीजों को एक ही चश्मे से देखना आसान हो गया। बेंजामिन ने कभी अपनी खोजों का पेटेंट नहीं करवाया क्योंकि उनका मानना था कि जब दूसरों के आविष्कारों का फायदा हम उठाते हैं तो फिर अपनी खोजों से दूसरों की मदद करने में हमें भी खुशी होनी चाहिए। इस महान वैज्ञानिक का योगदान अमेरिका के स्वतंत्रता संग्राम में भी था। जॉर्ज वॉशिंगटन के बाद इन्हीं का नाम लिया जाता है। अमेरिका के संविधान के निर्माण में भी इन्होंने महान योगदान दिया। अमेरिका का पहला पॉलिटिकल कार्टून बनाने का श्रेय भी इन्हीं को जाता है। पैसे नहीं थे इसलिए पिता ने 10 साल की उम्र में ही स्कूल छुड़वा दिया था, घर पर ही पढ़ाई करते थे। तैयार होने का शौक था, फ्रांस के मशहूर फैशन आइकन थे। शतरंज के बेहतरीन खिलाड़ी भी थे। एक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट डिजाइन किया था जिसे मोजार्ट और बेथोवन ने इस्तेमाल किया ।

Printing, Processing and Binding Sponsored by

Kaveri Print Process Pvt. Ltd.

114, F.I.E PATPAR GANJ INDUSTRIAL AREA, DELHI-110 092
9810003943 (ATUL GOEL) 9811083939 (ANUJ GOEL)
PHONE: 22142030, 22142031
E-mail: kaveriprinters@gmail.com; kaveri_printers@yahoo.com

अध्यक्ष की कलम से

लगभग एक दशक पूर्व जब ई-बुक एवं तत्पश्चात आडियो बुक का पदार्पण हुआ था तब लग रहा था कि जिस तेजी से ये युवा वर्ग में प्रचलित हो रही हैं, हो सकता है कि शीघ्र ही ये छपाई की गई पुस्तकों पर भारी पड़ जाए जाएं। ऐसी स्थिति में डिजिटल एवं सोशल मीडिया के इस युग में कागज तथा मुद्रण उद्योग को बड़ा झटका लगने वाला था। किन्तु ऐसा हो नहीं पाया क्योंकि छपी एवं जिल्द बंधी पुस्तक का मोह लोगों में कम नहीं हुआ। जहां एक ओर पुस्तक क्लबों एव लाइब्रेरियों में जाने वालों की संख्या में विशेष कमी नहीं आई, वहीं, छपी हुई पुस्तक पढ़ने वालों की संख्या में बढ़ावा देने वाले अनेकों संस्थान अपना यत्न जारी रखें हैं।

इस क्षेत्र में सबसे प्रभावशाली व सफल प्रयास भारत सरकार का नैशनल बुक ट्रस्ट पिछले कई वर्षों से लगातार करता आ रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नैशनल बुक ट्रस्ट ने 6 से 14 जनवरी को प्रगति मैदान में नई दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का आयोजन किया जिसकी थीम 'एंनवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज' थी। 30,000 वर्ग मीटर बड़े क्षेत्र में 800 भारतीय तथा 40 विदेशी प्रकाशकों तथा 1500 स्टालों ने भाग लिया जिसे देखने 12 लाख लोग आए। प्रदर्शनी का उद्घाटन एचआरडी मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा किया गया। पुस्तकों के इस महाकुम्भ में 'हर हाथ-एक किताब' नाम की स्कीम की शुरुआत के साथ अन्य कई रोचक कार्यक्रम हुए।

वर्ल्ड बुक फेयर की तर्ज पर देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसी वर्ष कई पुस्तक प्रदर्शिनियां भी आयोजित की गईं। पंजाब के कई शहरों में चलती फिरती पुस्तक प्रदर्शनियों लगीं जिन्हें देखने हजारों लोग आए। मार्च में ही मुंबई, आगरा, दमन आदि शहरों में छोटे स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियां लगाई गईं। सन् 2014 से जनवरी माह में प्रति वर्ष जयपुर बुक मार्ट भी आयोजित होता है।

सरकार तथा अन्य संस्थानों द्वारा पुस्तक-पठन के प्रसार के प्रयासों का नतीजा मुद्रकों तथा प्रकाशकों के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है। ई बुक तथा ऑडियो बुक के सीमित प्रचलन के बावजूद प्रिंटेड बुक का भविष्य पूर्णत: सुरक्षित है।

-राजीव गुप्ता
अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

आज की दुनिया बेहद स्पर्धापूर्ण हो गयी है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को दूसरों से बेहतर साबित कर आगे निकलने की होड़ में लगा रहता है। देखा जाए तो यह सोच हमारी प्रगति के लिए अच्छी है किन्तु कई बार पूरी मेहनत करने के बाद भी हमारी छोटी-छोटी गलतियों के कारण मन चाही सफलता नहीं मिल पाती है। अत: हमें नि:संकोच अपनी कमियों को मानते हुए अपनी कार्यप्रणाली में उचित सुधार करते रहना होगा। साधारणतय हम एक ही प्रकार का काम करते हुए संतुष्ट हो जाते हैं। परन्तु समयानुसार हमें अपने व्यवसाय में नए बदलाव लाते रहना होगा।

इस डिजिटल युग में नित नई तकनीक आने के कारण विभिन्न मुद्रकों के बीच काम करने के तकनीकी तरीकों का अंतर कम होता जा रहा है। ऐसे में नए ग्राहकों को अपने पास लाने का दायित्व प्रशिक्षित सेल्स टीम का हो जाता है। किन्तु हमारे उद्योग में चंद बड़े मुद्रकों को छोड़ अधिकतर सेल्स टीम रखने का चलन नहीं है। किसी भी व्यवसाय में उन्नति एवं सफलता पाने के लिए सेल्स टीम का योगदान अत्याधिक महत्वपूर्ण होता है। एक ओर मुद्रकगण नई तकनीक अपनाते समय उसकी गहन जानकारी ले लेते हैं वहीं उनकी सेल्स टीम नई तकनीक से अनिभिज्ञ होती है। अत: पूर्ण सफलता के लिए मुद्रकों को अपनी सेल्स टीम को समय-समय पर नई तकनीकों में प्रशिक्षित करना होगा ताकि वे ग्राहक के हर प्रश्न का समझदारी से उत्तर दे सकें। साथ ही मुद्रकों तथा सेल्स टीम की लिए अत्यन्त लाभकारी है कि वे संभावित ग्राहक के बारे में बेसिक जानकारियां पहले से ही ले लें ताकि बिक्री प्रक्रिया काफी सुविधाजनक रहे। वैसे तो आपके पास एक स्टैंडर्ड सेल्स प्रेज़ेन्टेशन तैयार रहेगा लेकिन पूर्व जानकारी के आधार पर इसमें आवश्यक परिवर्तन करके नए ग्राहक से मिलकर ऑर्डर पाना आसान हो जाएगा। अच्छे सेल्समैन को चाहिए कि वह अपने आने के उद्देश्य का परिचय देने के बाद ग्राहक को बात करने का पूरा अवसर दें तथा उसकी आवश्यकता ध्यान से समझने के बाद ही अपनी बात आगे बढ़ाएं। इससे ग्राहक उसकी बात में पूरी रुचि लेगा। यदि आप पहली बार ही ग्राहक की क्षमता व अपेक्षा के अनुरूप उसकी मांग पूर्ण कर देते हैं तो भविष्य में वह अगले काम के लिए आपको ही याद करेगा। अत: व्यवसायिक सफलता के लिए आत्मविश्वास, धैर्य कौशलपूर्ण छपाई तथा समय पर डिलिवरी देकर ग्राहक को सुन्तुष्ट कर पाना आवश्यक है।

-राजेश सरदाना
महासचिव

M.K.TRADING COMPANY

Deals in :
All Kinds of Offset Printing Material
& Book Binding Material

Authorised Distributor
SAKATA INX INDIA PVT. LTD.
TOYO INK INDIA PVT. LTD.

C-4/15, Ground Floor, Krishna Nagar, Delhi-51
Ph.: 011-22093611, M.: 9873362611
Email : mktradngco@gmail.com

थ्री डी प्रिंटिंग : जादू की छड़ी

थ्री डी टेक्नोलॉजी अब अपनी सीमाएं तोड़ कर एक नये युग में प्रवेश कर रही है। थ्री डी की इस नयी क्रांति का नाम है 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' या 'एडेटिव मैन्यूफैक्चरिंग'। मान लीजिए आपके शर्ट का बटन टूट गया है, किचन में मिक्सी काम नहीं कर रही है, क्योंकि उसका नॉब टूट गया है, बॉथरूम का नल भी अचानक खराब हो गया और आपकी गाड़ी का बंपर भी किसी ने टक्कर मार कर तोड़ दिया है। अब आप क्या करेंगे? शर्ट के बटन से लेकर कार के बंपर तक सारी चीजें आपको बाजार से खरीद कर लानी होगी। लेकिन नयी थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी आपकी इन मुश्किलों को बेहद आसान बना देगी।

रंग'। मान लीजिए आपके शर्ट का बटन टूट गया है, किचन में मिक्सी काम नहीं कर रही है, क्योंकि उसका नॉब टूट गया है, बॉथरूम का नल भी अचानक खराब हो गया और आपकी गाड़ी का बंफर भी किसी ने टक्कर मार कर तोड़ दिया है। अब आप क्या करेंगे? शर्ट के बटन से लेकर कार के बंफर तक सारी चीजें आपको बाजार से खरीद कर लानी होगी। लेकिन नयी थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी आपकी इन मुश्किलों को बेहद आसान बना देगी।

थ्री डी प्रिंटर साधारण प्रिंटर की तरह ही होता है। बस अंतर इतना है कि इसका प्रिंट आउट ए4 कागज की टू डी शीट की तरह साधारण न होकर थ्री डी में एक के ऊपर दूसरी परत को जमाते हुए निर्मित किया जाता है। मिसाल के तौर पर आपको शर्ट का बटन चाहिए। ऐसे में आपको अपने थ्री डी प्रिंटर में बटन का प्रोग्राम सेलेक्ट कर मैटीरियल कार्टेज सेलेक्ट करना होगा।

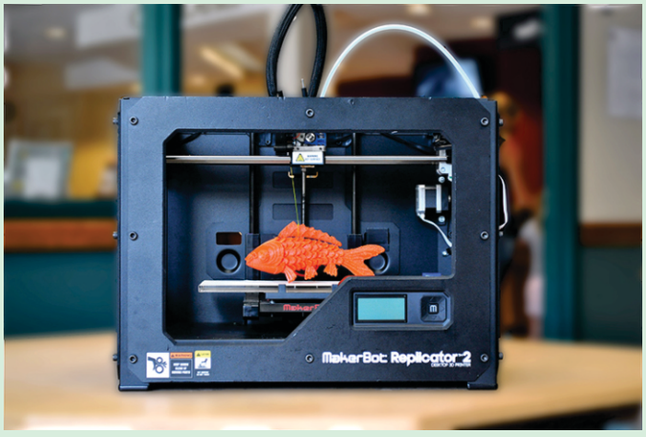

यानी आप अपना बटन प्लास्टिक का चाहते हैं या फिर धातु का या फिर प्लास्टिक और धातु दोनों का मिलाजुला। अपनी पसंद के मुताबिक आप मैन्यूफैक्चरिंग प्रोग्राम सेलेक्ट कीजिए और कार्टेज सेलेक्ट करके प्रिंटिंग बटन दबा दीजिए। थ्री डी प्रिंटर में एक नोजल होती है, काफी–कुछ सॉफ्टी बनानेवाली मशीन से मिलती–जुलती है। लेकिन उसका आउटपुट आइसक्रीम मशीन की तरह मोटा नहीं, बल्कि बहुत पतला होता है।

अब जिस तरह से कोन में डिस्पेंसर मशीन के नोजल से आइसक्रीम भरी जाती है, उसी तरह थ्री डी प्रिंटर के महीन से नोजल से मैटीरियल निकलने लगता है। और कंप्यूटर प्रोग्राम यह तय करता है कि क्या चीज बनानी है और चंद मिनटों में आपकी शर्ट का हूबहू दूसरा बटन बन कर तैयार हो जाता है।

थ्री डी प्रिंटर दरअसल एक निजी कारखाने जैसा है, जिसमें परिवार का कोई भी सदस्य अपनी जरूरत की चीज उसके खास प्रोग्राम और मैटीरियल को चुन कर बेहद आसानी से रोजाना के इस्तेमाल से लेकर कोई भी चीज बना सकता है। थ्री डी प्रिंटर की टेक्नोलॉजी कोई बहुत पुरानी नहीं है। पहला थ्री डी प्रिंटर थ्री डी सिस्टम्स कॉर्प के इंजीनियर चक हल ने 1984 में बनाया था। तब से अब तक लगभग सत्ताइस वर्ष में थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी और थ्री डी प्रिंटर मशीन में जबरदस्त बदलाव हो चुके हैं।

इस मशीन की उपयोगिता को देखते हुए इसकी कीमत काफी कम है। हां इस मशीन से आप रोजमर्रा के इस्तेमाल की जो भी चीज बनाना चाहते हैं, उसका ब्लू–प्रिंट प्रोग्राम और खास मैटीरियल की कार्टेज आपको अलग से खरीदनी होगी।

थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी की मदद से कृषि क्षेत्र के औजारों से लेकर, भवन निर्माण, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, सेना, इंजीनियरिंग, दंत चिकित्सा, मेडिकल इंडस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी (मानव कोशिकाओं के बदलाव), फैशन, फुटवियर, ज्वैलरी, आईवियर, शिक्षा, जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, फूड और कई दूसरे क्षेत्रों की चीजें आसानी से घर बैठे बनायी जा सकती हैं।

थ्री डी प्रिंटर एक जादू की छड़ी जैसा है। बस आप सोचिए और यह टेक्नोलॉजी उसे साकार कर दिखायेगी। अमेरिका में तो थ्री डी प्रिंटर की मदद से पिस्तौलें और राइफलें भी बनायी जा रही हैं। हालांकि यह इस टेक्नोलॉजी का एक दूसरा और चिंताजनक पहलू भी है। थ्री डी प्रिंटर का सीमित इस्तेमाल अभी अमेरिका और यूरोप के देशों में हो रहा है।

दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर का इंतजार कर रहे हजारों लोगों की मौत हो जाती है। इस तसवीर को बदलने में बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 'थ्री डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी' एक वरदान साबित हो रही है। 'थ्री डी प्रिंटर' के इस्तेमाल से मानव अंग भी बनाये जा सकते हैं। इस अनोखे प्रयोग को अंजाम दे रही है एक कंपनी, जिसका नाम है मेलबर्न टीटीपी। 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने के लिए स्टेम सेल की मदद से प्रयोगशाला में बनायी गयी मानव कोशिकाओं को कच्चे माल की तरह इस्तेमाल किया जायेगा। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने एक खास नोजल विकसित करके इस दिशा में मजबूत कदम उठाये हैं। इस नोजल की मदद से प्रयोगशाला में अभी मानव कान प्रिंट करके तैयार कर लिया गया है। वैज्ञानिक अब मानव लिवर और हड्डियों को 'थ्री डी प्रिंटर' से बनाने की तैयारी में जुटे हैं।

मेलबर्न टीटीपी कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि वे जल्द ही 'थ्री डी प्रिंटर' से मानव अंग बनाने में कामयाबी हासिल कर लेंगे। और अगले 10 वर्षों के भीतर मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए डोनर्स की जरूरत ही खत्म हो सकती है। 'थ्री डी प्रिंटर' से अभी सर्जिकल इम्प्लांट्स जैसे हिप और नी रिप्लेसमेंट्स बनाये जा रहे हैं। स्टेम सेल, बायोटेक्नोलॉजी और 'थ्री डी प्रिंटर' का ये मेल पूरी मानवता के लिए एक नया वरदान है। और अगले कुछ वर्ष बाद अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीजों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

RAVE ROLLERS

RAVE RUBBER ROLLERS

WE ARE LEADING RUBBER ROLLER SUPPLIER

- Printing Rubber Rollers
- Plastic Riders
- Ebonite Rollers
- Copper Rollers
- Hard Chrome Rollers
- Alcohol Damping Rollers
- U.V Ink Rollers
- Combi Rollers
- Polyurethene Rollers
- Hypolone Rubber Rollers for thermo Lamination

B-71, Mayapuri Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110 064
Contact : Mr. Devender Kumar M : 09810053777, 9811287297
Email : raverubberrollers@yahoo.com • www.raverubberrollers.com

शिमला की जिस प्रेस में प्रिंट हुई संविधान की पहली कॉपी, उसे बंद कर रही है सरकार

ब्रिटिश हुकूमत के समय देश की ग्रीष्मकालीन राजधानी शिमला की जिस प्रिंटिंग प्रेस में भारत के संविधान की पहली प्रति प्रिंट हुई, नरेंद्र मोदी सरकार उसी ऐतिहासिक प्रिंटिंग प्रेस को बंद करने जा रही है।

शिमला स्थित इस प्रिंटिंग प्रेस, जिसे गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस शिमला कहते हैं, में भारतीय संविधान की पहली मुद्रित प्रति भी सुरक्षित रखी गई है। इस प्रति को एक एंटीक शो–केस में ताला लगाकर रखा गया है। अंग्रेजी राज में स्थापित हुई इस प्रेस की दुर्लभ मशीनों पर दशकों तक महत्वपूर्ण दस्तावेज छापे गए। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत को संचालित करने का श्रेय संविधान को हासिल है और इसी संविधान की पहली प्रिंटेड कॉपी शिमला की इस प्रेस में है। ऐसे में इस प्रेस को बंद करने के फैसले से एक युग का अध्याय बंद हो जाएगा।

यहां बता दें कि ये प्रेस देश में स्थापित प्रिंटिंग प्रेस के इतिहास की पहली प्रेस है। हालांकि ये पहला मौका नहीं है, जब किसी केंद्र सरकार ने इस प्रेस को बंद करने का फैसला लिया हो। इससे पहले 1986 में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार व 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने भी इसे बंद करने का फैसला लिया था, लेकिन कर्मियों के विरोध के कारण ये फैसला टालना पड़ा।

अब नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे बंद करने का फैसला लिया है। नरेंद्र मोदी ने शिमला सहित देश की 12 केंद्रीय प्रिंटिंग प्रेस को बंद करने और उन्हें अन्य पांच प्रेस में समायोजित करने की योजना बनाई है। शिमला स्थित केंद्रीय प्रेस के कर्मचारियों का कहना है कि वे इस फैसले का विरोध करते हैं और इसके खिलाफ आंदोलन करेंगे। माकपा ने भी प्रेस बंद करने के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। माकपा नेता संजय चौहान ने इसे कर्मचारी विरोधी और नवउदारवादी नीतियों को लागू करने वाला बताया है।

शिमला को मिला पहली कॉपी सहेजने का गौरव

भारत के संविधान की पहली मुद्रित यानी प्रिंटेड कॉपी सहेजने का गौरव शिमला की इसी प्रेस के नाम है। संविधान तैयार होने के बाद इसे मुद्रित करने का अहम काम शिमला में किया गया। आजादी के बाद वर्ष 1949 में इस प्रेस की दुर्लभ मशीनों में इसके मुद्रण का काम पूरा हुआ। बाद में संविधान की पहली प्रति इसी प्रेस में रखी गई। छह दशक से अधिक समय से यह प्रति शिमला स्थित गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस में सलीके से सहेज कर रखी गई है।

शिमला में ब्रिटिश काल में यूं तो कई भव्य इमारतें बनी, लेकिन वर्ष 1872 में यहां स्थापित इस प्रेस का अलग ही महत्व है। ये प्रेस शिमला के टूटीकंडी क्षेत्र में है। अंग्रेजी हुकूमत के समय यहां ब्रिटिशकाल में महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रिंट होकर देश भर में पहुंचते थे। इस प्रेस में उस जमाने के हिसाब से आधुनिक प्रिंटिंग मशीनें मौजूद थीं।

कैसी दिखती है 289 पन्नों वाली संविधान की पहली प्रिंटेड कॉपी

भारतीय संविधान की पहली प्रिंटेड कॉपी काले रंग के बेहद मजबूत व शानदार आवरण वाली है। अंग्रेजी में प्रिंट की गई इस प्रति में कुल 289 पन्ने हैं। करीब चार किलो से अधिक वजनी इस कॉपी के मोटे और चमकदार कागज के पन्नों पर अंग्रेजी में प्रिंट हुए शब्द इतने साल बीत जाने के बाद भी नए लगते हैं। कवर पेज पर दि कांस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया लिखा है। अंतिम पन्ने पर–प्रिंटिड इन इंडिया बाई दि मैनेजर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस न्यू देल्ही। तब गवर्नमेंट ऑफ इंडिया प्रेस के मैनेजर देल्ही (तत्कालीन प्रयुक्त शब्द) में बैठते थे। शिमला स्थित इस प्रेस के डिप्टी मैनेजर रहे अनुपम सक्सेना के अनुसार 1872 में स्थापित इस प्रेस में विदेश से भारी और बड़ी मशीनें मंगवाई गई थीं। देश में स्थापित प्रिंटिंग प्रेस में यह सबसे पुरानी है।

232 साल पहले छपा था भारत का पहला समाचार पत्र

भारत में यूरोपियनों के प्रवेश के साथ ही समाचार पत्रों की शुरुआत होती है। भारत में प्रिंटिंग प्रेस लाने का श्रेय पुर्तगालियों को है। गोवा में वर्ष 1557 में कुछ ईसाई पादरियों ने एक पुस्तक छापी थी, जो भारत में मुद्रित होने वाली पहली किताब थी। 1684 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना की। लेकिन भारत का पहला समाचार पत्र निकालने का श्रेय भी जेम्स ऑगस्टस हिकी नामक एक अंग्रेज को प्राप्त है, जिसने वर्ष 1780 में 'बंगाल गजट' का प्रकाशन किया था। यानी भारत में समाचार पत्रों का इतिहास 232 वर्ष पुराना है। कंपनी सरकार की आलोचना के कारण 'बंगाल गजट' को जब्त कर लिया गया था। किसी भारतीय भाषा में प्रकाशित होने वाला पहला समाचार पत्र मासिक 'दिग्दर्शक' था, जो 1818 ईस्वी में प्रकाशित हुआ। लेकिन निर्विवाद रूप से भारत का सबसे पहला प्रमुख समाचार पत्र 'संवाद कौमुदी' था। इस साप्ताहिक पत्र का प्रकाशन 1821 में शुरू हुआ था और इसके प्रबंधक–संपादक थे प्रख्यात समाज सुधारक राजा राममोहन राय। 'संवाद कौमुदी' के प्रकाशन के साथ ही सबसे पहले भारतीय नवजागरण में समाचार पत्रों के महत्व को रेखांकित किया गया था।

Manpreet Singh
7838244085
8700280799

Kawaljeet Singh
Mintoo
7838402651

Harminder Singh
7011771475
7838402652

M.S.TRADERS

Specialist in : Offset Heidelberg Machine all Mechanical & Electrical Parts

A18/2, 2nd Floor, Ph.-II, Naraina Ind. Area.
M-33, Sector-3, Bawana Industrial Area

Email : harmidersingh1135@gmail.com
msgraphic4@gmail.com

बादाम खाने के ये हैं फायदे

दिमाग को तेज बनाने के लिए आपकी मम्मी ने भी रोजाना सुबह–सुबह आपको बादाम खिलाए होंगे। अगर आपने नहीं खाए तो किसी न किसी चीज में मिलाकर आपको बादाम दिए गए होंगे। ये रुटीन आज भी आपके घर में चलता होगा। लेकिन क्या आपको मालूम है कि दिमाग को तेज करने के अलावा बादाम के और क्या फायदे हैं? क्यों आज भी बादाम खाने के लिए आपको बोला जाता है? यहां हम आपसे इसके 7 फायदों के बारे में बता रहे हैं, जिससे पढ़कर आपको इस सवाल का जवाब मिल जाएगा और आप रोजाना बादाम खाने लगेंगे।

1. बादाम फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरपूर होता है जो आपको ओवर इटिंग से रोकता है यानी इन्हें खाने से आपको छोटी–छोटी भूख नहीं लगती। अगर आपको वजन कंट्रोल में रखना है तो रोजाना एक मुठ्ठी बादाम खाएं।

2. बादाम डाइबिटिज से लड़ने में भी काफी मदद करता है। अमेरिकन डाइबिटिज एसोसिएशन में छपी खबर के मुताबिक बादाम डाइबिटिज में वजन को कंट्रोल में रखता है।

3. बादाम में मौजूद मैग्निशियम हड्डियों को मजबूत और मसल्स को स्ट्रांग बनाते हैं।

4. भीगे हुए बादाम में विटामिन बी17 भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिससे ये कैंसर खासकर ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने की शक्ति देता है। इसीलिए कैंसर के मरीजों को रोजाना सुबह बादाम भीगोकर खिलाने चाहिए।

5. जिन भी लोगों को दूध या ग्लूटेन से एलर्जी होती है, उन्हें बादाम वाला दूध पीना चाहिए। ये दूध उनके शरीर के लिए प्रोटीन, विटामिन डी, कैल्शियम, फाइबर और पोटैशियम, कॉपर जैसे जरूरी न्यूट्रिएंट्स का अच्छा सोर्स होता है।

6. अमेरिकन जर्नल 2015 में हुई स्टडी के मुताबिक रोजाना एक मुठ्ठी बादाम खाने से दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है और दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है।

7. बादाम बीमारियों से बचाने और उन्हें ठीक करने में मदद करने के साथ–साथ बालों का झड़ना भी कम करता है। इसी के साथ ये स्किन को जरूरी न्यूट्रीएंट्स देकर ग्लोइंग और हेल्दी बनाते हैं।

अपनाएं ये तरीके खाना खाने के बाद नहीं फूलेगा पेट

क्या शादियों और पार्टियों का खाना खाने से आपका पेट फूल जाता हैं या फिर कुछ भी मीठा या हैवी खाने से आपका पेट भारी होने लगता है, जिस वजह से ना आप आराम में बैठ पाते हैं और ना ही कुछ खा पाते है। पेट की ये छोटी–सी परेशानी आपके लिए आफत बन जाती है। यहां आपको ऐसे 5 असरदार टिप्स बता रहे हैं जिसके आगे आपको ब्लोटिंग की परेशानी नहीं होगी।

1. पोटेशियम से भरपूर फूड खाएं

पोटेशियम शरीर से एक्स्ट्रा फ्लूड निकालने में बहुत मदद करता है। इसीलिए अपनी डाइट में केला, शकरकंद, पालक और पिस्ते को शामिल करें।

2. कभी भी ब्रेकफास्ट ना छोड़ें

ज्यादातर लोग यही गलती सबसे ज्यादा करते हैं। वह सुबह का वक्त बचाने के लिए कुछ भी नहीं खाते और बाद में लंच हैवी करते हैं। इसी वजह उनका रात का डिनर भी भारी होता है। आपको बता दें ब्लोटिंग होने का सबसे बड़ा कारण यही होता है। इसीलिए हर सुबह फाइबर से भरपूर ब्रेकफास्ट करें। इससे आपको वक्त से पहले भूख नहीं लगेगी और आपका पेट नहीं फूलेगा। इसके अलावा कई लोग शादी या पार्टी में जाने से पहले पेट खाली रखते हैं यानि कुछ नहीं खाते, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए इस वजह से ब्लोटिंग की समस्या हो जाती है।

3. ब्रिस्क एक्सरसाइज

खाना खाने के बाद कई लोगों को आलस, नींद और थकान होती है। ऐसे में वो लोग एक्सरसाइज को बिल्कुल ही अपने डेली चार्ट से हटा देते हैं। इस वजह से भी ब्लोटिंग होती है। इसीलिए आप रोजाना एक्सरसाइज करें और हैवी खाने के बाद तो जरूर ही एक्सरसाइज करें। वक्त की कमी हो तो सिर्फ 15 मिनट के लिए ब्रिस्क वॉकिंग करें। इससे आपका डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होगा और खाना आसानी से पच जाएगा।

4. हाइड्रेट रहें

सोडियम से भरपूर फूड आपके शरीर के फ्लूड को जकड़ लेते हैं जिस वजह से पेट फूलता है। ऐसे में एक साथ बहुत सारा पानी पीने से भी पेट में दर्द महसूस होगा। इस ब्लोटिंग से बचने के लिए रोजाना आठ से दस गिलास पानी पीएं।

5. गर्म चाय पिएं

हर बार सिर्फ वॉटर रिटेंशन से ही ब्लोटिंग नहीं होती। कई बार ज्यादा खाने की वजह से पेट में गैस भी हो जाती है। ऐसे में गर्म चाय आपके पेट को आराम पहुंचा सकती है। इसीलिए पुदीना या फिर कैमोमाइल चाय पिएं। बेहतर होगा इसमें चीनी ना डालें, क्योंकि चीनी आपके पेट को फुला सकती है। (एनडीटीबी...काम से साभार)

Gagandeep Singh Luthra
+91-9818515827
+91-9313792706

People in Trade Since 1976

Exchange your Old Rollers with New Rollers and give only Coating Charges of Standard Size Machines

Tejinder Singh Luthra
+91-9810687907
+91-9015205252

ROLLWALA

OUR SPECIALITY: BEST QUALITY & QUICK DELIVERY

Specialist in: Rubberising, P.U. Coating, Copperising, Stainless Steel Coating on Rollers, Riders & Cylinders

Rollwala Industries
Rollwala House, B-85, Sector-4, Bawana Indl. Area, DSIIDC, Delhi-110039
E-mail: rollwala@hotmail.com

Rollwala Sales Corporation
304, HSIIDC, Barhi Indl. Estate, G.T. Karnal Road, Ganaur Sonepat (Haryana)
Website : www.rollwala.net

कमोरी इंडिया की नई शुरूआत

21 अप्रैल 2018 को ओखला के क्राउन प्लाजा में कमोरी इंडिया नाम से विख्यात प्रिंटिंग मशीन बनाने वाली जापानी कम्पनी कमोरी की नई शुरुआत हुई। इसका उद्घाटन चेयरमैन एंड सी ई ओ श्री योशिहारू कमोरी ने किया। इस अवसर पर दिल्ली की प्रिंटिंग इंड्रस्ट्री की बड़ी हस्तियां मौजूद थीं।

डीपीए की वार्षिक सदस्यता शुल्क में संशोधन

27 नवम्बर 2017 को आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में यह बताया गया था कि दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन की वार्षिक सदस्यता का शुल्क 2011 में अंतिम बार संशोधित किया गया था। पिछले सात वर्षों में मुद्रा स्फीती की वृद्धि के कारण सदस्यता शुल्क की सभी कैटेगरी में संशोधन की आवश्यकता है। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने एक अप्रैल 2018 से निम्न नए सदस्यता शुल्क लागू करने की सहमति दी है:

सामान्य सदस्य (प्रेस स्वामी)

श्रमिकों की संख्या	वार्षिक शुल्क	प्रवेश शुल्क
1–10 तक	1000/–रुपए	1000/–
11–20 तक	1500/–रुपए	1000/–
21–50 तक	2500/–रुपए	1000/–
51 से अधिक	4000/–रुपए	1000/–
व्यक्तिगत सदस्यता (तकनीकि/ व्यावसायिक)	700/–रुपए	1000/–
एसोसिएट सदस्य (प्रिंटिंग उद्योग से जुड़ी फर्म)	2500/–रुपए	1000/–

अंत में यह निर्णय लिया गया कि संशोधित दरों को डीपीए की अगली एजीएम में अनुमोदित किया जाना चाहिए।

कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन

जैसे ही दिल्ली सरकार ने 15 अगस्त से अकुशल, अर्धकुशल और कुशल कर्मचारियों (श्रमिकों) के वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की थी, तब डीपीए ने प्रिटर्स बंधुओं पर असहनीय बोझ की आशंका को देखते हुए दिल्ली के श्रम मंत्री, उपराज्य और श्रम आयुक्त से मिलकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था। साथ ही एपेक्स चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ने दिल्ली हाई कोर्ट में वेतन वृद्धि के खिलाफ याचिका दायर कर दी, तो मामला अदालत में विचाराधीन हो गया। प्रिंटर्स सहित अन्य औद्योगिक इकाईयां को भी वेतन वृद्धि लागू करने से राहत मिल गई। इस अवधि के दौरान कई सुनवाई हुईं। मामले के निर्णय की एक दिसम्बर 2017 को घोषणा होनी थी, लेकिन कोर्ट ने भविष्य की कोई तारीख दिए बिना फैसला सुरक्षित रख लिया। आज की तारीख तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ। इस बीच दिल्ली सरकार ने दिनांक 4 अप्रैल 2018 को संशोधन न्यूनतम वेतन पर एक अप्रैल से अतिरिक्त महंगाई भत्ता देने की अधिसूचना (क्रमांक 12 (142)/02। एम डब्लू/VII/201) जारी की है। यद्यपि एपेक्स चैम्बर ऑपफ कामर्स के अनुसार संधोधित न्यूनतम वेतन का मामला अब भी विचाराधीन है, फिर भी हमें लगता है कि श्रम विभाग द्वारा असुविधा और उत्पीड़न से बचने के लिए संशोधित वेतन लागू करने की सलाह दी जाती है।

NARSINGH & COMPANY

H.O. : 2241/36, First Floor, Sardar Javahar Singh Market, Kucha Chellan, Darya Ganj, New Delhi-110 002
Phone : 23280705, 23269068, 32968297
B.O. : 132, Patpar Ganj Industrial Area, Delhi-110 092
Phone : 9313119747, 32600932

SAGAR SCREEN

H.O. : 3601, Gali Hakim Bua Wali, Shyam Bhawan, Neta Ji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi - 110 002
Phone : 23283700, 23265826
B.O. : Janak Nagar, Victoriya Colony, OP. Homegard office, Saharanpur (U.P.) Phone : 9358319676
B.O. : 96/29, Main Road, Jawala Nagar Delhi Road, Madhav Puram, Meerut (U.P.) Phone 9319630415

Authorized Dealer :-

MICRO INKS • PACKARD INKS • SICPA INDIA LIMITED • ZENITH RUBBER LIMITED
FUJIKURA RUBBER BLANKETES • TECHNOVA INKJET MEDIA • TECHNOVA PLATES & CHEMICALS

दिलीप तुली बनाम डीपीए : कोर्ट केस में फैसला!

श्री दिलीप तुली द्वारा पटियाला हाउस कोर्ट में डीपीए के खिलाफ लगभग पांच वर्ष पूर्व दायर केस के सिलसिले में पिछले वर्षों कई सुनवाई हुईं, जिन पर विधिवत हाजिरी दी गई। फैसले का ऐलान 6 दिसम्बर 2017 को होना था लेकिन इसे 20 जनवरी, 30 जनवरी, 7 फरवरी और 27 फरवरी को स्थगित कर दिया गया था। 27 फरवरी को भी कोई आदेश (फैसला) जारी नहीं किया गया और न ही भविष्य की कोई तारीख दी गई। डीपीए और उसके वकील फैसला जानने के लिए अदालत के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहे। बाद में 21 मार्च को डीपीए की कार्यकारिणी की बैठक में पूर्व अध्यक्ष श्री विजय मोहन ने डीपीए के वकील द्वारा भेजे गए व्हाट्सएप संदेश को पढ़ा, जिसमें कहा गया था कि अदालत ने उन्हें मौखिक रूप से अवगत कराया था कि डीपीए के खिलाफ श्री दिलीप तुली द्वारा दायर मामला खारिज कर दिया गया, और उन्होंने (वकील ने) अदालत से आदेश की प्रमाणित प्रति लेने के लिए आवेदन कर दिया है, जिसे मिलने पर डीपीए को दिया जाएगा। श्री विजय मोहन ने यह भी कहा कि डीपीए के पूर्व अध्यक्ष श्री बद्री कुमार सिंह पांच वर्ष लंबे मामले में प्रतिवादी संख्या के रूप में कुशलतापूर्वक सभी सुनवाई पर अदालत में हाजिर हुए इसके लिए वह विशेष धन्यवाद के पात्र हैं।

वर्ष 2016–2017 के दौरान सुनवाई में भाग लेने तथा अपनी एविडेंस रिकॉर्ड करने के लिए श्री विजय मोहन ने पूर्व अध्यक्ष श्री सुनील जैन की भी सराहना की। उन्होंने डीपीए के वकीलों के साथ नियमित रूप से समन्वय रखने और हर सुनवाई का प्रतिनिधित्व करने के लिए कार्यकारी सचिव श्री एच एल खन्ना का विशेष उल्लेख किया।

डीपीए के कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री एम एन पाण्डेय को अवन्तिका प्रिंटर्स प्रा. लि. के लिए गोल्ड एवार्ड ओन डैस्ट टॉप कैलेन्डर यू वी कैटेगरी में प्रदान किया गया।

जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकानाएं

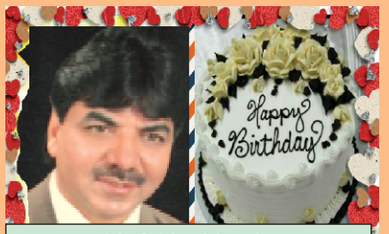

Mr. Gulshan Marwah,
Former President of DPA & Owner of
Shri Balaji Offset on April 8, 2018

Mr. Harshdeep Malhotra,
Former President of DPA & Owner
of Deep Enterprises on April 25, 2018

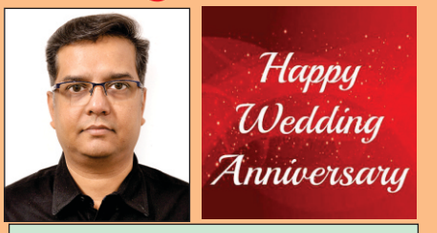

Mr. Vivek Jain of Printers
Convertor Corpn. on April 24, 2018

स्मृति शेष

डीपीए के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष श्री बद्री कुमार सिंह के छोटे भाई श्री उमेश ठाकुर का निधन

दिल्ली के जाने माने समाज सेवी, दिल्ली प्रिन्टर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष, सुभाष पार्क, दिल्ली के नगर संघ संचालक श्री बद्री कुमार सिंह के छोटे भाई तथा पूर्व जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी नवीन शाहदरा, एवं भाजपा प्रदेश स्तर के जुझारू युवा नेता श्री उमेश ठाकुर जी का अल्पायु में ही हृदयघात के कारण आकस्मिक दुखद निधन मंगलवार 3 अप्रैल 2018 की प्रात: हो गया। दुख की इस घड़ी में दिल्ली प्रिंटर्स एसोसियेशन अपने मित्र सदस्य बद्रीकुमार सिंह के साथ अपनी गहन संवेदनाएं प्रेषित करता है और ईश्वर से प्रार्थना करता है कि भाई श्री उमेश ठाकुर जी की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिवारजन को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। ओ३म शान्ति...

FALCON VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121 005, (Hr.) INDIA
Phone : +91-129-4022837, 4026023
Fax : +91-129-4022837
E-mail : tkbind@hotmail.com
falcon_pumps@yahoo.co.in
Website: www.falconpumps.com